छत्तीसगढ़ में खनन हेतु वनों की कटाई

चर्चा में क्यों?

केंद्र के अनुसार **वन्यजीव और जैवविविधता संस्थाओं** ने संबद्ध क्षेत्र में खनन गतिविधियों को **पूर्ण रूप से प्रतिबंधित करने** की सिफारिश नहीं की जिसके चलते [हसदेव अरण्य वनों](#) में **खनन गतिविधियों के लिये लगभग 273,000 अतिरिक्त वृक्षों को काटे जाने की आशंका** है।

प्रमुख बिंदु

- **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC)** ने देश के दो सबसे विवादास्पद पर्यावरणीय मुद्दों पर जानकारी प्रदान की जिसमें छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य में वनों की कटाई तथा [नीति आयोग](#) **की अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह परियोजना में ग्रेट निकोबार द्वीप का समग्र विकास** शामिल हैं।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने **भारतीय वन्यजीव संस्थान** के सहयोग से [भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद](#), **देहरादून** को संपूर्ण **हसदेव-अरण्य कोलफील्ड्स क्षेत्र का जैवविविधता मूल्यांकन** अध्ययन करने के लिये नियुक्त किया था।
  - अध्ययन किया गया और तत्पश्चात् **पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** को रिपोर्ट सौंपी गई
  - रिपोर्ट के अनुसार, [परसा ईस्ट केते बासेन खदान](#) हेतु **94,460 वृक्ष काटे गए** जबकि **प्रतिपूरक वनीकरण, खदान सुधार और स्थानांतरण के रूप में 5.3 मिलियन से अधिक वृक्षों का रोपण** किया गया
  - छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, **हसदेव अरण्य में आगामी वर्षों में खनन के लिये 273,757 वृक्षों की कटाई** की जानी है।
- हसदेव अरण्य मध्य भारत में **सर्वाधिक सघन वनों के सबसे बड़े सन्निहित विस्तारों में से** एक है, जो 170,000 हेक्टेयर में विस्तृत है और इसमें **23 कोयला ब्लॉक** हैं
  - वर्ष 2009 में, **पर्यावरण मंत्रालय ने हसदेव अरण्य को** इसके समृद्ध वन क्षेत्र के कारण खनन के लिये **"नो-गो" ज़ोन के रूप में वर्गीकृत किया** था किंतु यहाँ **खनन की पुनः अनुमति दे दी** गई **क्योंकि इसमें किसी नीति को अंतिम रूप नहीं दिया गया था**।

हसदेव अरण्य वन

//

- छत्तीसगढ़ के **उत्तरी भाग में विस्तृत** हसदेव अरण्य वन अपनी **जैवविविधता और कोयला निक्षेपों** के लिये जाना जाता है।

- यह वन **कोरबा, सुजापुर और सरगुजा ज़िलों** के अंतर्गत आता है जहाँ जनजातीय जनसंख्या काफी अधिक है।
- **[महानदी](#)** की **सहायक नदी हसदेव नदी** यहाँ से होकर प्रवाहित होती है।
- हसदेव अरंड **मध्य भारत का सबसे बड़ा अक्षुण्ण वन है, जिसमें प्राचीन साल (शोरिया रोबस्टा) और सागौन के वन शामिल** हैं।
- इसकी भूमिका **प्रवासी गलियारे के रूप में प्रसिद्ध** है और यहाँ **महत्त्वपूर्ण संख्या में हाथी** पाए जाते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/deforestation-for-mining-in-chhattisgarh